ये अव्यक्त इशारे

जमा का खाता बढ़ाओ, बचत की स्कीम बनाओ

3-03-2023

अपने सब खाते चेक करो – तन से कितना जमा किया ? मन के दिव्य संकल्प से कितना जमा किया ? और धन को श्रीमत् प्रमाण श्रेष्ठ कार्य में लगाकर कितना जमा किया ? जमा के खाते तरफ विशेष अटेन्शन दो। अगर जमा किया हुआ है, तो समय पर दूसरों को दे सकेंगे। नहीं है तो समय पर धोखा खा लेंगे। धोखा खाना अर्थात् दुख की प्राप्ति होना।

गुल्जार दादी जी द्वारा उच्चारित अनमोल रत्न-

ज्ञान के प्वाइन्ट केवल रिपीट नहीं करो, लेकिन शुद्ध संकल्पधारी समर्थी का स्वरूप प्रत्यक्ष दिखाई दे। ज्ञान का मनन करके उसी में मगन हो जाओ अर्थात् भिन्न-भिन्न ज्ञान के प्वाईन्ट में मन स्थिर हो जाये। मनन करना अलग है, रिपीट करना अलग है, वो भी अच्छा है। अलग-अलग टाइम पर अलग-अलग टॉपिक के प्वाइन्ट पर मनन करते मगन हो जाओ। जैसे योग की सबजेक्ट में मनन करते-करते उस रूप में चले जाओ तो सारा व्यर्थ खत्म होता जायेगा।